Sl.No. :

नामांक Roll No.

No. of Questions – 15

No. of Printed Pages – 07

SS–26–Raj. Sah.

यहाँ से काटिए

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2018

SENIOR SECONDARY EXAMINATION, 2018

राजस्थानी साहित्य

(RAJASTHANI SAHITYA)

समय : 3¼ घण्टे

पूर्णांक : 80

प्रश्न पत्र को खोलने के लिए यहाँ फाड़ें

परीक्षार्थियों सारु सामान्य निर्देश :

1) परीक्षार्थी सबसूं पैली आपरै प्रस्न पत्र माथै नामांक जरूर लिखे।

2) **सगळा** सवाल करना जरूरी है।

3) हरेक सवाल रौ पड़ूत्तर उत्तर पुस्तिका में ईज लिखणो है।

4) जिण सवाल रा अेक सूं अधिक भाग है तो वां सगळा रा उत्तर अेक साथै लगातार लिखौ।

5) लेखन मांय सुद्धता अर वैज्ञानिक विवेचन करियां ज्यादा अंक दिरीजैला।

6) वर्तनी, व्याकरण अर सुलेख रौ विसेस ध्यान राखौ अर ओपतौ पड़ूत्तर देवौ।

7) पड़ूत्तर राजस्थानी भासा में ईज देवणा है।

8) पूर्णांक अर प्रस्नांक ठावी ठौड़ अंकित है।

यहाँ से काटिए

Downloaded from www.cclchapter.com

1) नीचे लिख्यां गद्यावतरणां री सप्रसंग व्याख्या करो :

क) ताहरां खापरौ चोर हार में बैठौ हुतौ, सु बोलियौ। सुणि हो राजा भोज, चौबोली रा भरतार। हार इसौ कह्यौ, ताहरां चौबोली रीस करि सवा कोड़ रौ हार हुतौ, सु तोड़ियौ। तोड़ि नै बोली–क्यूं रे बेसरम! राजा भोज चौबोली कद परणी हुती? ताहरां राजा भोज नीसाणौ घाव दियौ। [4]

अथवा

सांच नै आंच नहीं – सचावट दुनियां मांहै मोटी चीज छै। सच्चा आदमी पर सारां को विश्वास बैठ जावै। विस्वास बैठ्यां पीछै कोई बात की कमती नहीं, सांच नैं कठै भी डर नहीं, धोकौ नहीं और खराबौ नहीं, सांच ऊपर सूर्य, चंद्र, तारा, प्रथ्वी चाल रह्या छै। सांच ऊपर राज्य को पायौ छै।

ख) म्है गाय–बाछरू पकड्यां अेक बंगलै रै बारणै आरौ चेताचूक–सो खड़यौ हौ। मुनीम बंगलै रै भीतर बड़ग्यौ। म्हैं उणरी बाट जोवूं। म्हनै अचाणचक लाग्यौ जाणै म्हैं गाय रौ बिकवाळ कोनी। गंगा–घाट रो कोई मंगतौ हूँ। गाय रै मिस लोगां रै बारणै–बारणै भीख मांगतौ फिरूं। म्हनै खुद सूं घिन होवण लागी। [4]

अथवा

सुख री पिछाण है खुली हंसी अर छिपी मुस्कान। सुखी वौ कोनी जिणरै कन्नै सो–कीं है–पण जिणरै कन्नै जिकौ है उण सूं तुस्ट खैण वाळो ही सुखी है इण तरै संतोस रौ दूजौ नांव ही सुख है। म्हारै कन्नै कांई है–इणसूं सुख नीं मिळै पण जिकौ है उण सूं राजी अर तुस्ट खैणौ ही सुख है। ईमानदारी भी सुख देवण वाळी है।

Downloaded from www.cclchapter.com

ग) तांबै रौ कळसौ माटी रै घड़ै नैं कैयौ, ''घड़ा थारै में घाल्योड़ौ पाणी ठंडौ कियां रैवै अर म्हारै में घाल्योड़ौ तातों कियां हो ज्यावै?'' घड़ौ बोल्यौ, 'म्हैं पाणी नैं म्हारै जीव में जग्या द्यूं हूं अर तूं आंतरै राखै, ओ ही कारण है। [4]

अथवा

सवाल इण बात रौ है कै सुन्दरता कांई चीज है? खुलै रूप में ओ सवाल नूंवौ पण लागै, क्यूंकै सुन्दरता नै लेयनै म्हारै मन में कोई संकौ कै बैम कदैई रैवै ई कोनी। म्है सूरज रौ उगणौ अर डूबणौ देख्यौ है दिनुंगै अर सिझयां री लालिमा देखी है सुन्दर सौरम सूं भरियोड़ा फूल देख्या है।

2) 'मुहणोत नैणसी'री चारित्रिक विशेषतावां नै उजागर करौ। [4]

3) 'अलेखूं हिटलर' कहाणी री मूल संवेदना आपरै सबदां मांय स्पष्ट करौ। [4]

4) ''मिनख री नीति में इज मिळावट वापरणी है।'' इण कथन रौ खुलासौ कर समाज मांय फैली बुराई रौ बखाण करौ। [4]

5) आधुनिक साहित्य मांय हकीकत बयान करनै री प्रवृति किण भांत बध रैयी है? [4]

6) आधुनिक राजस्थानी कहाणी विद्या माथै अेक आलेख लिखौ। [6]

Downloaded from www.cclchapter.com

7) नीचे लिख्या विषयां मांय सूं किणी अेक विषय माथै राजस्थानी भासा में निबंध लिखौ – [6]

i) लोक देवता: बाबा रामदेव

ii) पै'लो सुख निरोगी काया

iii) राजस्थानी साहित्य मांय वीर रस

iv) कम्प्यूटर शिक्षा री आवश्यकता।

8) नीचे लिख्या पद्यांशां री सप्रसंग व्याख्या करौ। [4]

क) कांई रै पिराणी खोज नै खोजै,

खाख हुवै भूस खेहा।

काची काया गळ–बळ जासी,

कूंकूं वरणी देहा।।

हाड़ो उपर पून ढुळैली,

घण हर बरसे मेघा।

माटी में माटी मिळ जासी,

भसम उडै हुय खेहा।।

Downloaded from www.cclchapter.com

अथवा

देवी ब्रह्म तूं विस्नू अज रूद्र रांणी

देवी वांण तूं खांण तूं भूत प्रांणी;

देवी मन्न तूं पवन तूं मोख माया,

देवी क्रम्म तूं ध्रम्म तूं जीव काया।

ख) समज तमाखू सूगली, कुत्तो न खावै काग।

ऊंट टाट खावै न आ, अपणौ जाण अभाग

अपणौ भाग अभाग, गजब नहि खाय गधेड़ो।

शूकर भूंडी समज, निपट निकळै नहीं नैड़ो। [4]

अथवा

धिन–धिन वै धरती रा जाया, जो निज आपै मेट,

नयौ रूप आकार धरा नैं, जो कर जावै भेट।।

ग) दौड़ा–दौड़ मचाता सावा,

मंदरा–मंदरा तपता आवा,

काची मटकी बेच ठगोरी, कितना बार मरूं?

म्हूं कतनी बार मंरू? [4]

Downloaded from www.cclchapter.com

अथवा

उडीकतौ थारी दयावती

उभौ थारै कोळै

म्हारी भासा।

अेकर तो रैवास कर

म्हारै ई अधवीठै, अंतस

म्है पूरण व्है जावूं

मर्‌यां मुगातर पावूं।

9) 'बीसलदेव रास' रौ कथासार आपरै सबदा मांय विस्तार सूं लिखौं। [4]

10) समान–बाई री भक्ति साधना री विशेषतावां नै उजागर करौ। [4]

11) 'सपनौ आयौ' कविता प्रगति शील धारा री जनवादी कविता है।'' इण कथन नै कविता रै माध्यम सूं सिद्ध करौ। [4]

Downloaded from www.cclchapter.com

12) खेतदान चारण री' लिछमी' कविता रै भावां रौ फुटरापौ दाखला देय उजागर करौ। [4]

13) काव्य रा तत्वां री विवेचना करौ। [4]

14) 'कुंडलियो' छंद री विशेषतावां उदाहरण समैत लिखौ। [4]

15) 'उपमा अलंकार'री परिभाषा देय'र उदाहरण लिखौ। [4]

● ● ●

Downloaded from www.cclchapter.com

DO NOT WRITE ANYTHING HERE

Downloaded from www.cclchapter.com